



**अॅग्रोमेट अँडवायझरी बुलेटीन**  
**ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर**  
**विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर**



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: adrkolhapur@rediffmail.com

**हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला समितीची साप्ताहिक बैठक दि. ०१.०९.२०२६**

**जिल्हा : कोल्हापूर**

| मागील आठवड्यातील हवामान<br>(२६.०८.२०२६ ते ०१.०९.२०२६) |      |      |       |                                       |      |       | हवामान घटक                   | पुढील पाच दिवसांचा हवामानाचा अंदाज<br>(०२.०९.२०२६ ते ०६.०९.२०२६) |       |       |       |       |
|-------------------------------------------------------|------|------|-------|---------------------------------------|------|-------|------------------------------|------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|
| २६                                                    | २७   | २८   | २९    | ३०                                    | ३१   | ०१    | दिनांक                       | ०२                                                               | ०३    | ०४    | ०५    | ०६    |
| ४.८                                                   | ४.२  | ३.०  | २.०   | २.०                                   | ४.२  | ०.०   | पाऊस (मिमी)                  | ५                                                                | ४     | ३     | ५     | ४     |
| २७.५                                                  | २८.५ | २८.२ | २८.०  | २८.२                                  | २९.० | २८.०  | कमाल तापमान (अं.से.)         | २७                                                               | २७    | २७    | २७    | २७    |
| २२.२                                                  | २२.० | २२.५ | २१.६  | २२.०                                  | २१.५ | २२.०  | किमान तापमान (अं.से.)        | २३                                                               | २३    | २३    | २३    | २३    |
| ८                                                     | ८    | ८    | ८     | ८                                     | ८    | ८     | स. दु.                       | ८                                                                | ८     | ८     | ६     | ५     |
| ८                                                     | ६    | ५    | ६     | ६                                     | ६    | ८     | ढग स्थिती (आकाश)             | ८                                                                | ८     | ८     | ६     | ५     |
| ८८                                                    | ९६   | ९१   | ९०    | ९०                                    | ९२   | ८७    | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता (%)  | ९०                                                               | ९०    | ९०    | ९१    | ९२    |
| ८२                                                    | ७५   | ७८   | ८१    | ८३                                    | ७५   | ७५    | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता (%) | ७५                                                               | ७५    | ७८    | ७५    | ७५    |
| ४.६                                                   | ५.०  | ५.२  | ७.७   | ६.७                                   | ५.५  | ३.४   | वाऱ्याचा वेग (किमी/तास)      | ११                                                               | ११    | ११    | ९     | ७     |
| प.                                                    | नै.  | प.   | नै.   | नै.                                   | नै.  | प.नै. | स. दु.                       | प.नै.                                                            | प.नै. | प.नै. | प.नै. | प.नै. |
| नै.                                                   | वा.  | नै.  | प.वा. | प.                                    | वा.  | वा.   | वाऱ्याची दिशा                | प.नै.                                                            | प.नै. | प.नै. | प.नै. | प.नै. |
| मागील आठवड्यातील पाऊस (मिमी)                          |      |      |       | पाऊस ०१.०१.२०२६ पासून आजपर्यंत (मिमी) |      |       |                              | पाऊस दिवस ०१.०१.२०२६ पासून आजपर्यंत                              |       |       |       |       |
| २०.२                                                  |      |      |       | ७९७.४                                 |      |       |                              | ५६                                                               |       |       |       |       |

**हवामान अंदाजावर आधारित कृषी सल्ला**

| पीक                    | अवस्था        | कृषि विषयक सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|------------------------|---------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| हवामान सारांश          |               | प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई यांचेकडून प्राप्त झालेल्या हवामान अंदाजानुसार कोल्हापूर जिल्ह्यामध्ये २, ३, ४, ५ व ६ सप्टेंबर रोजी आकाश सामान्यतः ढगाळ राहण्याची शक्यता आहे. कोल्हापूर जिल्ह्यातील घाट भागात २ ते ६ सप्टेंबर दरम्यान काही ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पावसाची शक्यता आहे. मध्य व पूर्व भागात २ ते ६ सप्टेंबर दरम्यान तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पावसाची शक्यता आहे. कोल्हापूर जिल्ह्यामध्ये ६ सप्टेंबर पर्यंत कमाल तापमान २७.० ते २८.० अंश सेल्सिअस दरम्यान राहण्याची तसेच किमान तापमान २२.० ते २३.० अंश सेल्सिअस दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. सकाळची सापेक्ष आर्द्रता ९० ते ९२%, दुपारची सापेक्ष आर्द्रता ७५ ते ७८% तसेच वाऱ्याचा वेग ताशी ०७ ते ११ किमी या दरम्यान राहण्याची शक्यता आहे. |
| विस्तारित श्रेणी अंदाज |               | विस्तारित श्रेणीच्या अंदाजानुसार मध्य महाराष्ट्रामध्ये दिनांक ४ ते १० सप्टेंबर दरम्यान पावसाचे प्रमाण सरासरी दरम्यान राहण्याची, कमाल तापमान सरासरी पेक्षा जास्त राहण्याची तसेच किमान तापमान सरासरी पेक्षा जास्त राहण्याची शक्यता आहे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| सामान्य सल्ला          |               | <ul style="list-style-type: none"> <li>शेतकरी बांधवांनी हवामान आधारित शेतविषयक सल्ला आपल्या अँड्रॉइड मोबाईलवर मिळविण्यासाठी गुगल प्ले स्टोर वरून "मेघदूत" अँड्रॉइड ॲप्लिकेशन तर मेघगर्जना व विजांचा कडकडाट इ.च्या अंदाजासाठी "दामिनी" अँड्रॉइड ॲप्लिकेशन डाउनलोड करावे व त्याचा वापर करावा.</li> <li>कीटकनाशके व बुरशीनाशकांची फवारणी पावसाची उघडीप पाहून आणि वारा शांत असताना करावी.</li> <li>मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी खरीप पिकांच्या वाढीच्या महत्वाच्या अवस्थेत पाण्याचा ताण टाळण्यासाठी संरक्षित पाणी द्यावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                     |
| संदेश                  |               | <ul style="list-style-type: none"> <li>जिल्ह्याच्या मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी जमिनीमध्ये ओलावा टिकवून ठेवण्यासाठी खरीप पिकांमध्ये आच्छादनांचा वापर करावा</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| भात                    | फुटवे फुटणे   | <ul style="list-style-type: none"> <li>भात पिकाच्या वाढीच्या अवस्थेनुसार भात खाचरातील पाण्याची पातळी अधिक फुटव्याच्या अवस्थेत ५ ते ७.५ सें. मी. ठेवावी</li> <li>भात पिकासाठी रसायनिक खत मात्रा देण्यासाठी युरिया अर्धा किलो प्रती गुंठा या प्रमाणात द्यावा (२५ ते ३० दिवसांनी)</li> <li>फुले मायक्रोन्यूट्रियंट ग्रेड २ याची ४० मिलि प्रती पंप याप्रमाणात फवारणी करावी (२५ दिवसांनी)</li> <li>पाने गुंडाळणाऱ्या अळीचा प्रादुर्भाव दिसून आल्यास क्लोरॅन्ट्रिनिप्रोल १८.५ एस.सी. ३.० मि.ली. किंवा फ्ल्युबेन्डमाईड ३९.३५ एस.सी. १.० मि.ली. प्रति १० लिटर पाण्यातून फवारणी करावी.</li> </ul>                                                                                                                      |
| नाचणी                  | वाढीची अवस्था | <ul style="list-style-type: none"> <li>नाचणी पिक सध्या जोमदार वाढीच्या अवस्थेत आहे. नत्राचा दुसरा हफ्ता दिला नसल्यास पिकामध्ये खुरपणी/ कोळपणी करून द्यावा.</li> <li>पानावरील करपा असल्यास कार्बेन्डाझिम २ ग्रॅम प्रती लीटर पाणी याप्रमाणात अथवा पाने खाणाऱ्या अळी, खोड माशी प्रादुर्भाव दिसल्यास आंतरप्रवाही कीटनाशकांची फवारणी करावी.</li> <li>फुले मायक्रोन्यूट्रियंट ग्रेड २ याची ५० मिलि प्रति १० लीटर पाणी याप्रमाणात मिसळून फवारणी करावी</li> <li>पिक तणविरहित ठेवावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                       |



**अंग्रेमेट अडवायझरी बुलेटीन**  
**ग्रामिण कृषि मौसम सेवा, ऐएमएफयु, कोल्हापूर**  
**विभागीय कृषि संशोधन केंद्र, शेंडा पार्क, कोल्हापूर**



दूरध्वनी : (०२३१) २६९२४१६

ईमेल: adrkolhapur@rediffmail.com

|                                                        |                              |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|--------------------------------------------------------|------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>मका</b>                                             | <b>शाकिय वाढ</b>             | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी पीक फुलोऱ्यामध्ये येण्यापूर्वी संरक्षित पाणी द्यावे</li> <li>➤ मका पेरणीस ४० ते ४५ दिवस झाले असल्यास नत्र खताचा हसा देण्यासाठी युरिया ३५ किलो प्रती एकरी या प्रमाणात द्यावा त्यानंतर ४ ते ५ दिवसणी फुले मायक्रोन्यूट्रियंट ग्रेड २ याची ५ ते ७ मिलि प्रती पाणी याप्रमाणात फवारणी करावी</li> <li>➤ मक्याच्या मध्यम ते शेवटच्या पोंगा या वाढीच्या अवस्थेत लष्करी अळीचा १० ते २०% प्रादुर्भाव आढळल्यास खालीलपैकी एका कीटकनाशकाचा आलटून पालटून वापर करावा. (प्रमाण प्रति १० लिटर पाणी)</li> <li>➤ १. आयसोसायक्लोसिरम १८.१% एस सी (६ मिली) किंवा</li> <li>➤ २. स्पिनेटोरम ११.७% एस सी (५ मिली) किंवा</li> <li>➤ ३. ब्रोफ्लानीलीड २०.०% एस सी (२.५ मिली) किंवा</li> <li>➤ ४. फ्लूवेनडायअमाईड २०.०% डब्ल्यू जी (५ ग्रॅम) किंवा</li> <li>➤ कीटकनाशकाचा वापर चारा पिकावर करू नये. प्रतीक्षा कालावधीचे पालन करावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                               |
| <b>ऊस</b>                                              | <b>शाकिय वाढ</b>             | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ सुरू ऊसास २% युरिया किंवा २% डी.ए.पी. किंवा २% १९:१९:१९ यापैकी एक फवारणी घ्यावी</li> <li>➤ आडसली ऊस लागवडीस ६ ते ८ आठवडे झाले असल्यास युरिया १३९ किलो प्रती एकर याप्रमाणात द्यावा</li> <li>➤ मागील आठवड्यामध्ये वाढलेल्या आद्रतेमुळे काही ठिकाणी तपकिरी ठिपके व तांबेरा या रोगांचा प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. नियंत्रणासाठी पावसाची उघडीप पाहून अॅझोऑक्सीस्ट्रॉबीन १८.२% + डायफेनकोन्याझोल ११.४% एस.सी. ०.१% १० मिलि प्रती १० लीटर पाणी याप्रमाणात फवारणी करावी</li> <li>➤ आडसली लागवड केली असल्यास आणि काही ठिकाणी गॅप आढळून आल्यास रोपवाटीकेमधील रोपांच्या सहाय्याने नांग्या भरून घ्याव्यात.</li> <li>➤ वाढलेली आद्रता व कमाल तापमानामध्ये झालेली वाढ यांमुळे ऊसावर काही ठिकाणी लोकरा मावा व पायरीला या रसशोषक किडींचा प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. प्रादुर्भाव दिसून येताच व्यवस्थापनासाठी क्लोरपायरीफॉस २०% ई. सी. ३० मिलि प्रती १० लीटर पाणी किंवा अॅसिफेट ५०% + इमिडाक्लोप्रिड १.८०% एस.पी. या संयुक्त कीटकनाशकाची ५० मिलि प्रती १० लीटर पाणी याप्रमाणात मिसळून फवारणी करावी</li> </ul>                                                                                                             |
| <b>सोयाबीन</b>                                         | <b>फुलोरा ते शेंगा भरणे</b>  | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ वाढलेली आद्रता व कमाल तापमान यांमुळे पानांवरील व शेंगांवरील करपा रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. नियंत्रणासाठी टेब्युकोनाझोल १०% + सल्फर ६५% डब्ल्यू.जी. २५ ग्रॅम किंवा टेब्युकोनाझोल २५.९% ई.सी. १२.५ मि.ली. प्रति १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.</li> <li>➤ पेरणीनंतर ६० ते ६५ दिवस झाले असल्यास फुले मायक्रोन्यूट्रियंट ग्रेड दोन ५ मिलि प्रती लीटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी</li> <li>➤ काही ठिकाणी हलक्या स्वरूपाचा पाऊस, कमाल तापमानातील वाढ आणि वाढलेली आद्रता यांमुळे पाने खाणारी अळीचा (स्पोडोप्टेरा) प्रादुर्भाव दिसून येत आहे. नियंत्रणासाठी पुढील उपाययोजना कराव्यात</li> <li>➤ आर्थिक नुकसान पातळी: १० अळ्या/मीटर ओळीत पीक फुलोऱ्यात येण्यापूर्वी</li> <li>➤ प्रतिबंधात्मक उपाय: पिकामध्ये हेक्टरी ५ याप्रमाणे स्पोडोप्टेरुचा वापर करून फिरोमोन सापळे लावा</li> <li>➤ नियंत्रण: फ्लूवेंडामाईड २०% डब्ल्यू.जी. ६ ग्रॅम अथवा फ्लूवेंडामाईड ३९.३५% एसी ३ मिली अथवा इंडोक्झाकार्ब १५.८०% ई.सी. ६ मिली अथवा स्पिनेटोरम ११.७०% एस.सी. १० मिली प्रति १० लिटर पाणी या प्रमाणे फवारणी करावी.</li> <li>➤ मध्य व पूर्व भागातील शेतकरी बांधवांनी संरक्षित पाण्याची उपलब्धता करावी</li> </ul> |
| <b>भुईमूग</b>                                          | <b>फुलोरा ते आन्या सुटणे</b> | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ सततचा पाऊस आणि हवेतील जास्त आद्रता यामुळे भुईमूग पिकावर टिक्का आणि तांबेरा या रोगांचा प्रादुर्भाव होऊ शकतो. प्रादुर्भाव दिसून येताच नियंत्रणासाठी फ्लूवेनडॅमाईड ३.५% + हेक्झाकोनॅझोल ५% डब्ल्यू. जी. २५ ग्रॅम १० लिटर पाण्यात मिसळून फवारणी करावी.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| <b>मूग</b>                                             | <b>शेंगा भरणे ते पक्कता</b>  | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ पावसाची उघडीप पाहून पक्क झालेल्या शेंगांची वेळेत काढणी करावी. काढणी उशिरा केल्यास पक्क झालेल्या शेंगा तडकतात.</li> <li>➤ पावसाची शक्यता असल्याने काढणी केलेल्या शेती मालाची सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. (मध्य व पूर्व भाग)</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| <b>उडीद</b>                                            | <b>शेंगा भरणे ते पक्कता</b>  | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ पावसाची उघडीप पाहून पक्क झालेल्या शेंगांची वेळेत काढणी करावी. काढणी उशिरा केल्यास पक्क झालेल्या शेंगा तडकतात.</li> <li>➤ पावसाची शक्यता असल्याने काढणी केलेल्या शेती मालाची सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. (मध्य व पूर्व भाग)</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| <b>वांगी</b>                                           | <b>फळधारणा</b>               | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ ढगाळ हवामानामुळे पांढरी माशी या किडीचा प्रादुर्भाव होण्याची शक्यता आहे. प्रादुर्भाव झाल्यास नियंत्रणासाठी शेतामध्ये चिकट सापळे एकरी २० ते २५ या प्रमाणात लावावेत.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| <b>पशुधन</b>                                           | <b>वाढीची</b>                | <ul style="list-style-type: none"> <li>➤ गाभण गायींना अतिरिक्त १ किलो खुराक गर्भधारणेच्या ८ व्या महिन्यापासून तसेच म्हशींना अतिरिक्त १ किलो खुराक गर्भधारणेच्या ९ व्या महिन्यापासून द्यावा</li> <li>➤ म्हशी, गार्ई, शेळ्या व मेंढया यांमध्ये तज्ञ पशूवैद्यकाच्या सल्ल्याने जंतनिर्मूलन करून घ्यावे</li> <li>➤ प्रत्येक गायीला दररोज ५० ग्रॅम खनिज मिश्रण द्यावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| <b>मेघदूत</b> ॲप्लिकेशन डाउनलोड करण्यासाठी स्कॅन करावे |                              |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| <b>दामिनी</b> ॲप्लिकेशन डाउनलोड करण्यासाठी स्कॅन करावे |                              |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |

ठिकाण : कोल्हापूर

दि. : ०१.०९.२०२६

स्वाक्षरीत

प्रमुख अन्वेषक, ग्राकूमौसे, ऐएमएफयु, कोल्हापूर तथा